བཀའ་འགྱུར་པེ་ཅིན་པར་མ།

Bka’ ‘gyur (Pe-cin par ma)

The Peking edition of the Kangyur preserved at the National Library of Mongolia, Ulaanbaatar, Mongolia

National ur pres

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |
| |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | Title | Volume | Serial No. | Vols. | |  |  |  |  | | རྒྱུད། | ༀ་ - ཡ་ | 001 - 025 | 25 | | ཤེར་ཕྱིན། | ར་ - ཙི་ | 026 - 049 | 24 | | དཀོན་བརྩེགས། | ཚི་ - འི་ | 050 - 055 | 6 | | ཕལ་ཆེན། | ཡི་ - ཧི་ | 056 - 061 | 6 | | མདོ། | ཨི་ - དུ་ | 062 - 073 | 12 | | མདོ། | ནུ་ - ཀེ་ | 074 - 093 | 20 | | འདུལ་བ། | ཁེ་ - ཕེ་ | 094 - 106 | 13 | | དཀར་ཆག |  | 107 | 1 | | ཤེར་ཕྱིན། | ཆི་ - ཇི་ | 038 - 039 | 2 | |  |  |  |
| Note: As volumes 038 (Sher phyin, chi) and 039 (Sher phyin, ji) from the National Library of Ulaanbaatar have overwriting, additional copies of these two volumes from the Harvard-Yenching Library are included for reference. |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |